>

Title: Need to raise price of cluster beans (guar) in Churu parliamentary constituency, Rajasthan.

श्री राम सिंह कस्वां (चुरू): मेरे क्षेत्र की मुख्य फसल गुवार है जो कम वर्षा में भी तैयार हो जाती है। राजस्थान में पैदा होने गुवार का अधिकतम उत्पादन मेरे क्षेत्र में होता है। पिछले वर्ष गुवार गम काफी मात्रा में निर्यात होने से किसानों को अच्छा भाव मिला। गुवार खाद्य पदार्थ नहीं है, आम आदमी इसका उपयोग नहीं कर रहा है, व इसके भाव बढ़ने से भी उपभोक्ता प्रभावित नहीं होता है पहले गुवार पशु आहार के रूप में काम आता था, लेकिन पिछले काफी वर्षों से किसानों द्वारा गुवार के स्थान पर खल व अन्य पशु आहार का उपयोग करने के कारण पशु आहार के रूप में गुवार का उपयोग नाम मात्र का रह गया है। वाणिज्यिक उपयोग हेतु इसका उत्पादन हो रहा है एवं अधिकांश ग्वार गम का निर्यात किया जा रहा है, जिससे देश को विदेशी मुद्रा प्राप्त होती है व किसान खुशहाल होता है, भाव बढ़ने के कारण इस वर्ष किसानों ने अपनी अधिकांश कृषि योग्य भूमि पर गुवार की फसल बोई है, बहुत अच्छी फसल हुई है, लेकिन पिछले वर्ष के मुकाबले इस बार भाव काफी कम होने के कारण किसान भारी निराश है। यह स्थिति ग्वार सीड को वायदा व्यापार से बाहर निकालने के कारण हुई है। सच्चाई यह है कि वर्ष 2010-1 2011 में गुवार गम का निर्यात 440607.70 टन कीमत 2938.69 करोड़ रूपये था, इसके विपरीत 2011-12 में निर्यात 70736.43 टन की कीमत 16523.66 करोड़ रहा है, इस प्रकार से 5.62 गुणा अधिक निर्यात हुआ है। आंकड़ों से पता चलता हे कि गुवार के भाव अधिक निर्यात की वजह से बढ़े हैं ना कि सट्टेबाजी की वजह से। आज किसानों को भारी घाटा उठाना पड़ रहा है। पिछले वर्ष की तुलना में किसान आधे मूल्य पर अपने गुवार को बेचने के लिए मजबूर है। मेरा सरकार से अनुरोध है कि किसानों को गुवार का उचित मूल्य दिलवाने के लए आवश्यक कदम उठाए जाएं।